दो संभागों के चार जिलों से बना विदिशा संसदीय क्षेत्र

विदिशा लोकसभा क्षेत्र के आकार में हुआ पांच बार परिवर्तन

संतोष शर्मा

विदिशा, विदिशा संसदीय क्षेत्र दो संभागों भोपाल और उज्जैन के चार जिलों से मिलकर बना है विदिशा संसदीय क्षेत्र. इसमें चार जिले विदिशा रायसेन सीहोर और देवास के क्षेत्र को शामिल किया गया है. देवास जिला उज्जैन संभाग के अंतर्गत आता है जबकि शेष तीन जिले विदिशा रायसेन और सीहोर भोपाल संभाग के अंतर्गत आते हैं. इस तरह इस संसदीय क्षेत्र को चार जिलों से छांट बिन कर बनाया गया है. आपको आश्चर्य होगा कि विदिशा लोकसभा क्षेत्र के आकार में अब तक पांच बार परिवर्तन हुआ है.

वर्तमान में विदिशा संसदीय क्षेत्र में विदिशा जिले के दो विधानसभा क्षेत्र विदिशा और गंजबासौदा शामिल हैं. वहीं, रायसेन जिले की तीन विधानसभा क्षेत्र भोजपुर, सांची और सिलवानी शामिल है जबकि सीहोर जिले के दो विधानसभा क्षेत्र बुधनी व इछावर को शामिल किया गया है. वहीं, देवास जिले की एक विधानसभा खातेगांव को भी इसमें शामिल किया गया है. इस तरह चार जिलों के क्षेत्रों से विदिशा संसदीय क्षेत्र को बनाया गया है.

आकार में हुआ पांच बार परिवर्तन – विदिशा संसदीय क्षेत्र के आकार में आजादी के बाद से अब तक पांच बार परिवर्तन हुआ है और परिसीमन के कारण अब इस संसदीय क्षेत्र का नक्शा बदल चुका है. सन 1952 में जब प्रथम लोकसभा का चुनाव हुआ था उस समय विदिशा लोकसभा क्षेत्र का जो नक्शा था उसमें परिवर्तन उस समय हुआ जब 1962 में लोकसभा का तीसरा आम चुनाव हुआ. लोकसभा का चौथा आम चुनाव वर्ष 1967 में हुआ. उस समय इस सीट में

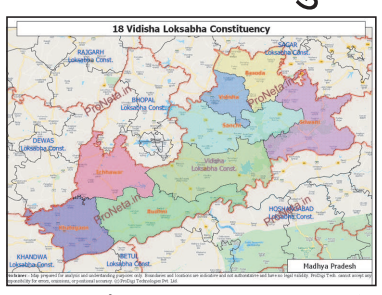

परिसीमन के कारण फिर तीसरा परिवर्तन हुआ तथा 1972 का आम चुनाव भी इसी परिसीमन में हुआ. विदिशा संसदीय क्षेत्र में चौथा परिवर्तन वर्ष 1977 के आम चुनाव में हुआ तथा यह परिसीमन वर्ष 2006 में संपन्न हुए उपचुनाव तक जारी रहा. वर्ष 2009 में लोकसभा चुनाव के समय इस क्षेत्र में पांचवा परिवर्तन हो गया. लोकसभा क्षेत्र में प्रथम तीन परिवर्तन के समय तक तो विदिशा लोकसभा सीट मात्र दो जिलों के विधानसभा क्षेत्र को मिलकर बनती थी लेकिन चौथे परिवर्तन के समय तीन जिलों के विधानसभा क्षेत्र से मिलकर इस सीट का गठन हुआ. वहीं, पांचवें परिवर्तन में इस लोकसभा क्षेत्र का गठन चार जिलों की विधानसभा क्षेत्रों को मिलाकर हुआ है. प्रथम आम चुनाव –सन 1952 में हुए लोकसभा के पहले आम चुनाव के समय विदिशा लोकसभा सीट में विदिशा जिले के विदिशा, कुरवाई तथा सिरोंज और गुना जिले के गुना, चांचौड़ा तथा अशोकनगर विधानसभा क्षेत्र शामिल थे जो 1957 के दूसरे लोकसभा आम चुनाव तक शामिल रहे.

1962 में परिवर्तित हो गया क्षेत्र– सन 1962 के आम चुनाव में इस संसदीय क्षेत्र में परिवर्तन हो गया. तब इसमें विदिशा जिले के विदिशा, कुरवाई तथा सिरोंज के साथ गंजबासोदा विधानसभा क्षेत्र सहित गुना जिले के गुना, चांचौड़ा तथा अशोकनगर विधानसभा के साथ ही राघौगढ विधानसभा क्षेत्र को भी शरीक कर दिया गया.

तीसरी बार बदला क्षेत्र– सन 1967 में हुए आम चुनाव में इस सीट के परिसीमन में फिर परिवर्तन हो गया इस परिवर्तन के अंतर्गत विदिशा लोकसभा क्षेत्र से गुना जिले के सभी चारों विधानसभा क्षेत्र को इससे हटाकर रायसेन जिले के सांची, उदयपुरा, बरेली तथा भोजपुर विधानसभा क्षेत्रो को जोड़ दिया गया.

चौथा परिवर्तन– सन 1977 के आम चुनाव में इस लोकसभा क्षेत्र में जो परिवर्तन हुआ उसके अंतर्गत दो जिलों के स्थान पर जिले के विधानसभाओं से यह क्षेत्र बना. चौथे परिवर्तन में विदिशा जिले के सिरोंज तथा रायसेन जिले के बरेली विधानसभा क्षेत्र को इससे हटकर सीहोर जिले के बुधनी विधानसभा क्षेत्र को इसमें शामिल कर दिया गया. विदिशा जिले का शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र भी अपने गठन के समय से ही विदिशा लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा बना हुआ है.

पांचवा परिवर्तन

वर्ष 2009 में विदिशा लोकसभा क्षेत्र का चुनाव पांचवें परिवर्तन के साथ हुआ. प्रारंभ में दो तथा बाद में तीन जिलों के विधानसभा क्षेत्र से मिलकर बनने वाला यह लोकसभा क्षेत्र पांचवें परिवर्तन में चार जिलों से मिलकर बना. इस परिवर्तन में यह लोकसभा क्षेत्र विदिशा, रायसेन, सीहोर और देवास जिलों के विधानसभा क्षेत्रो को मिलाकर बनाया गया है. इस संसदीय क्षेत्र में अब विदिशा जिले के दो विधानसभा क्षेत्र, रायसेन जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र, सीहोर के दो विधानसभा क्षेत्र और देवास जिले का एक विधानसभा क्षेत्र शामिल हो गए.

लोकसभा चुनाव पर खाप की छाप

चौधरियों के दर पर दस्तक दे रहे प्रत्याशी, रुख पर टिकीं निगाहें

बागपत. उत्तर भारत के इतिहास में सर्वजातीय खाप पंचायतों का दमदार वजूद रहा है. पश्चिम उत्तर प्रदेश के सामाजिक ताने-बाने में खाप पंचायतें आज भी समय-समय पर अपनी ताकत का अहसास कराती हैं. पांच दशक में हुए चुनावों में खापों का असर भी देखने को मिला है. इस लोकसभा चुनाव में भी सियासी जानकारों की नजरें खाप चौधरियों के रुख पर टिकी हैं. खाप से ताल्लुक रखने वाले कई प्रत्याशी इनकी परिक्रमा करने में लगे हैं.

लोकसभा चुनाव का प्रचार दिन-ब-दिन रफ्तार पकड़ता जा रहा है. इसी क्रम में राजनीतिक दलों ने खाप चौधरियों का आशीर्वाद लेना भी शुरू कर दिया है. बालियान खाप के केंद्र सिसौली, कलस्यान गुर्जर खाप कैराना, ठाकुर चौबीसी खेड़ा, देशखाप चौरासी (तोमर) बड़ौत और गठवाला खाप के केंद्र लिसाढ़ में नेताओं की आवाजाही बढ़ गई है. गौरतलब है कि खापों का असर केवल वेस्ट यूपी तक ही

नहीं है, बल्कि हरियाणा, दिल्ली व राजस्थान तक है.

खाप और राजनीति– भले ही सीधे तौर पर खापों के प्रमुख चुप हों और किसी का समर्थन नहीं करने की बात कर रहे हों, लेकिन खापों का राजनीतिक झुकाव किसी न किसी पार्टी को लेकर छिपा नहीं है तो बालियान खाप के राकेश टिकैत खुद भी चुनाव लड़ चुके हैं. इसके अलावा कई खापों से जुड़े लोग राजनीतिक पार्टियों के साथ भी जुड़े हैं.

माना जाता है कि खाप चौधरियों के इशारे पर कुछ न कुछ वोटों का रुख बदला जा सकता है और इसलिए ही प्रत्याशियों ने देशखाप चौधरी सुरेंद्र चौधरी, पंवार खाप के चौधरी धर्मवीर पंवार, सुभाष चौधरी, ओमपाल दांगी समेत अन्य के पास पहुंचना शुरू कर दिया. यहां तक की गठवाला व बालियान खाप के चौधरी का अन्य जगहों पर असर होने के कारण भी प्रत्याशी उनके पास पहुंचकर आशीर्वाद ले रहे हैं.

आमने-सामने हैं खापों से संबंधित प्रत्याशी

बालियान खाप के गांव कुटबी के रहने वाले केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान भाजपा और गठवाला खाप के कादीखेड़ा गांव के रखने वाले हरेंद्र मलिक सपा के टिकट पर चुनाव मैदान में है. बालियान खाप के अधिकतर गांव मुजफ्फरनगर लोकसभा में पड़ते हैं. गठवाला खाप के गांव मुजफ्फरनगर, कैराना और बिजनौर लोकसभा को प्रभावित करते हैं. बागपत सीट से सपा के प्रत्याशी बनाए गए मनोज चौधरी पंवार खाप से है. कैराना और बागपत लोकसभा में इस खाप के अधिकतर गांव है. बागपत से रालोद प्रत्याशी बनाए गए राजकुमार सांगवान की खाप सांगवान के सिवालखास और मोदीनगर क्षेत्र में 12 गांव हैं.

प्रदेश कांग्रेस चाहती है कि अरुण यादव खंडवा से ही चुनाव लड़ें!

प्रदेश कांग्रेस समिति और प्रदेश की छानबीन समिति दोनों ही इस बात से एकमत हैं कि अरुण यादव को खंडवा से ही चुनाव लड़ना चाहिए. खास तौर पर जीतू पटवारी खंडवा से ही टिकट देकर अरुण यादव को उलझाना चाहते हैं. सूत्रों का मानना है कि दरअसल, खंडवा से यदि अरुण यादव जीतते भी हैं तो खास बात नहीं होगी क्योंकि वो यहां से 2009 में चुनाव जीत चुके हैं. जबकि गुना में यदि वो अच्छा चुनाव अभियान चलाते, तो सीधे राहुल और प्रियंका के नजरों में आ जाते. जाहिर है अरुण यादव को यह पॉलिटिकल लग्जरी देने में जीतू पटवारी और उमंग सिंघार की जरा भी दिलचस्पी नहीं थी. यही वजह है कि जीतू पटवारी की पूरी कोशिश है कि अरुण यादव खंडवा से ही चुनाव लड़ें. हालांकि अरुण यादव गुना लोकसभा सीट से ही चुनाव लड़ना चाहते थे. उन्होंने राहुल गांधी से मिलकर अपना पक्ष भी रख दिया, पर गुना संसदीय क्षेत्र के स्थानीय नेता बाहरी बताकर उनका विरोध कर रहे थे. जयवर्धन सिंह ने तो इस आशय का बयान भी दिया. इस कारण केंद्रीय चुनाव समिति की पिछली बैठक में उनके नाम पर सहमति बनने के बाद भी प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया. यहां से राव यादवेंद्र सिंह यादव को प्रत्याशी बना दिया है. इधर, खंडवा से अरुण यादव के अलावा पैनल में सुरेंद्र सिंह शेरा और सुनीता साकरगाए का भी विकल्प कांग्रेस के पास है.

नव भारत सियासत - इंदौरीलाल

पनीरसेल्वम के सामने अपनी पहचान बचाने की चुनौती

चेन्नई. तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीसेल्वम के लिए यह लोकसभा चुनाव राज्य में अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए अहम है और इस नाजुक राजनीतिक स्थिति से निकलने के लिए वह काफी हद तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निर्भर हैं. अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से 2022 में निष्कासित कर दिए गए पनीरसेल्वम राज्य की रामनाथपुरम लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में हैं और भाजपा उन्हें समर्थन दे रही है. वह ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं जिसमें उन्हें राज्य में अपनी पहचान बनाए रखने के लिए चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करना होगा, अन्यथा वह राज्य की राजनीति में अप्रासंगिक हो जाएंगे.

वहीं, थेनी लोकसभा सीट से द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) उम्मीदवार टी. तमिलसेल्वन ने पनीरसेल्वम को अपनी ताकत दिखाने के लिए थेनी से चुनाव लड़ने की चुनौती दी है. पनीरसेल्वम फिलहाल थेनी जिले की बोडिनायक्कनूर सीट से विधायक हैं. उन्होंने 'अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगा कैडर्स राइट रिट्रीवल ऑर्गनाइजेशन का गठन किया है. अन्नाद्रमुक के प्रमुख ई.के. पलानीस्वामी के साथ सत्ता संघर्ष के चलते पनीरसेल्वम और उनके समर्थकों को जुलाई 2022 में पार्टी की आम परिषद ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था और अदालतों ने इस फैसले को सही ठहराया है. हाल में मद्रास उच्च न्यायालय ने उन्हें पार्टी के 'दो पत्ती चुनाव चिह्न, आधिकारिक झंडे और लेटरहेड का इस्तेमाल करने से रोक दिया.

विशेष | सागर संसदीय क्षेत्र

तीन दशक से जीत के इंतजार में कांग्रेस

अवनीश जैन

सागर. बुंदेलखंड के सागर संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस तीन दशक से जीत के इंतजार में है. कांग्रेस के आनंद अहिरवार को 1991 में सागर संसदीय क्षेत्र से जीत मिली थी. उसके बाद से तो कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है.

सागर संसदीय क्षेत्र लगभग चालीस वर्ष तक अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित रहा है. 2008 में हुए परिसीमन के बाद सागर संसदीय क्षेत्र सामान्य वर्ग के लिए हो गया.

आनंद अहिरवार | भूपेंद्र सिंह | लक्ष्मी नारायण यादव | राजबहादुर सिंह | वीरेंद्र

परिसीमन के बाद 2009 में सागर संसदीय क्षेत्र से भूपेंद्र सिंह, 2014 में लक्ष्मी नारायण यादव, 2019 में राजबहादुर सिंह भारतीय जनता पार्टी से संसद सदस्य निर्वाचित घोषित हुए. परिसीमन के पहले भाजपा के डॉक्टर वीरेंद्र कुमार सागर से लगातार चार बार संसद सदस्य निर्वाचित हुए. वैसे तो सागर संसदीय क्षेत्र लम्बे समय तक कांग्रेस का गढ रहा है. पहले आम चुनाव से नौ चुनाव तक कांग्रेस लगभग जीतती रही है. उसके बाद से कांग्रेस को हार ही हाथ लगी. अब तक हुए 17 चुनाव में से दस चुनाव भारतीय जनता पार्टी ने जीते हैं तो छह चुनाव में कांग्रेस जीत हासिल कर सकी है. एक बार बीएलडी से नर्मदा प्रसाद अहिरवार की जीत हुई. 1967 मे जनसंघ से निर्वाचित रामसिंह अहिरवार 1982 के उपचुनाव में दूसरी बार भाजपा से चुनाव जीते. 1989 में शंकर लाल खटीक भाजपा से सांसद चुने गए.

परिसीमन के बाद दायरा बढ़ा– परिसीमन के बाद सागर संसदीय क्षेत्र के दायरा सागर जिले के साथ साथ विदिशा जिले तक बढ गया है. सागर जिले की सागर, नरयावली, बीना, खुरई, सुरखी के अलावा विदिशा जिले की सिरोंज, शमशाबाद, कुरवाई विधानसभा सागर संसदीय क्षेत्र में शामिल हो गई है.

1996 के चुनाव में 34 प्रत्याशी थे चुनाव मैदान में

1996 के लोकसभा चुनाव में सागर संसदीय क्षेत्र से सर्वाधिक उम्मीदवार चुनाव मैदान में रहे है. कांग्रेस, भाजपा, बसपा, तिवारी कांग्रेस के अलावा 30 निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे धे. जिनमे पूर्व सांसद की पत्नी, पूर्व विधायक भी शामिल रहे.

कांग्रेस से ससुर बहू, भाजपा से पिता पुत्र चुनाव लड़े

सागर संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस ने 1984 मे नंदलाल चौधरी को उम्मीदवार बनाया था और वह निर्वाचित घोषित हुए. 1999 के चुनाव में कांग्रेस ने पूर्व सांसद चौधरी की बहू माधवी चौधरी को उम्मीदवार बनाया. जिनको हार का सामना करना पड़ा था. ऐसे ही 1971 मे जनसंघ से अमर सिंह चुनाव लड़े थे. जिनको हार का सामना करना पडा था. बाद में 1996 मे भारतीय जनता पार्टी ने उनके पुत्र वीरेन्द्र कुमार को पहली बार चुनाव मैदान में उतारा और वह सागर से लगातार चार बार सांसद निर्वाचित हुए. 2008 में परिसीमन के बाद वीरेन्द्र कुमार को भाजपा ने टीकमगढ संसदीय क्षेत्र से चुनाव मैदान में उम्मीदवार बनाया. जहां से भी कुमार निर्वाचित हुए और चौथी बार चुनाव मैदान में है.

व्यापार

सेंसेक्स 655 और निफ्टी 203 अंक उछला

वित्त वर्ष के अंतिम दिन बाजार गुलजार

मुंबई 28 मार्च (वार्ता) दुनिया के प्रमुख केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर में कटौती करने की उम्मीद में विश्व बाजार के सकारात्मक रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर देश का आर्थिक विकास अनुमान बढ़ने और आरबीआई के वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) में ऋणदाताओं के निवेश नियमों में ढील दिए जाने के बाद वित्तीय स्थिति में तेजी आने की बदौलत हुई चौतरफा लिवाली से आज चालू वित्त वर्ष के अंतिम कारोबारी दिवस को शेयर बाजार गुलजार हो गया.

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 655.04

अंक की छलांग लगाकर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 73,651.35 अंक पर बंद हुआ. इससे पूर्व यह 12 मार्च को 73667.96 अंक पर रहा था. साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 203.25 अंक उछलकर 22,326.90 अंक हो गया. इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.62 प्रतिशत चढ़कर 39,322.12 अंक और स्मॉलकैप 0.33 प्रतिशत मजबूत होकर 43,166.34 अंक पर रहा.इस दौरान बीएसई में कुल 3938 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1802 में लिवाली जबकि 2024 में बिकवाली हुई वहीं 112 में कोई बदलाव नहीं हुआ. इसी तरह निफ्टी की 45 कंपनियां हरे जबकि शेष पांच लाल निशान पर बंद हुई.

जीडीपी वृद्धि दर के बढ़े अनुमान का असर

विश्लेषकों के अनुसार, रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को दिसंबर में लाए गए मानदंडों में ढील दी, जिसके तहत अनिवार्य ऋणदाता यदि वैकल्पिक निवेश फंडों में खरीददारी करते हैं तो उन्हें उच्च प्रावधानों को अलग रखना होगा. नियमों में ढील दिये जाने से वित्तीय स्थिति में तेजी आई और बाजार ने ऊंची छलांग लगाई. साथ ही वित्तीय सलाह देने वाली एसएंडपी ग्लोबल के बाद अब मॉर्गन स्टेनली ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर अनुमान को बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया, जिससे बाजार में निवेशकों का निवेश प्रवाह बढ़ा .इससे बीएसई के सभी 20 समूहों में जमकर लिवाली हुई.

सोच का नया स्प्रिंग समर कलेक्शन लॉन्च

भारत, 28 मार्च. भारत के सबसे बड़े प्रासंगिक और इवनिंग वियर ब्रांड, सोच ने अपना लेटेस्ट स्प्रिंग समर कलेक्शन 2024 लॉन्च किया है. इस नए कलेक्शन में विभिन्न प्रकार के फैब्रिक और स्टाइल शामिल हैंए जो युनिक एथनिक फ्लेयर के साथ आपके वॉर्डरोब को बेहतर बनाने का वादा करती है. यह कलेक्शन इंडिगो ह्यूज़, कोटा कॉउचर, आइवरी एलिगेंस, ब्रीज़ी थ्रेड्स और विविड ब्लूम्स सहित थीम का एक क्यूरेटेड पैलेट है. प्रत्येक कलेक्शन एथनिक वियर में नए बदलाव का वादा करता है, जिसे आज महिलाओं की मॉडर्न वॉर्डरोब की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है.

अमेज़न ने ऑर्डर की संख्या में 83 प्रतिशत की वृद्धि की

मुंबई, 28 मार्च. अमेज़न द्वारा कराए गए एक अध्ययन के अनुसार, 10 में से सात (69 प्रतिशत) भारतीय वयस्क, ऑनलाइन ऑर्डर के ज़रिये मंगवाई गई चीज़ें बगैर अतिरिक्त डिलीवरी पैकेजिंग के खुशी से लेना चाहेंगे.

ये निष्कर्ष ऐसे समय में जारी किए गए हैं जब अमेज़न से अधिक से अधिक आवश्यक चीज़ें- जैसे, टॉयलेट रोल और पेय पदार्थ बगैर अतिरिक्त उत्पाद पैकेजिंग भारतीय खरीदारों को डिलीवर किए जा रहे हैं. भारत में, अमेज़न फिर से उपयोग में लाये जाने वाले (रियूज़ेबल) क्रेट या टोट बैग का उपयोग कर खरीदी गई चीज़ों की सुरक्षा करती है और अपनी अलग से पैकेजिंग जोड़ने से बचती है. सर्वेक्षण में शामिल आधे से अधिक भारतीय खरीदारों ने कहा कि वे अतिरिक्त-डिलीवरी पैकेजिंग के बिना ऑनलाइन खरीदी गई चीज़ों की आपूर्ति पाकर खुश होंगे ताकि पैकेजिंग सामग्री की खपत कम की जा सके. कोई अतिरिक्त पैकेजिंग नहीं होने का मतलब है कि शिपमेंट हल्का होगा, जिससे प्रति पैकेज डिलीवरी उत्सर्जन कम हो जाता है.

एसएआईसी और जेएसडब्लू ने की रोडमैप की घोषणा

उत्पादन क्षमता में की जाएगी वृद्धि

नयी दिल्ली, 28 मार्च.110 अमेरिकी डॉलर के वार्षिक राजस्व और 100 देशों में अपनी पहुँच के साथ ग्लोबल फॉर्च्यून 500 कंपनी, एसएआईसी मोटर और बी2बी एवं बी2सी सेक्टर में काम करने वाले भारत के अग्रणी समूह, जेएसडब्लू ग्रुप के बीच नए रणनीतिक जॉइंट वेंचर जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया का गठन हुआ है.

इस जॉइंट वेंचर के व्यावसायिक रोडमैप की घोषणा के साथ देश में मोबिलिटी का एक नया युग शुरू हो गया है. यह नया जॉइंट वेंचर तेजी से बढ़ रहे भारतीय ऑटोमोटिव सेक्टर में विकसित होते हुए अवसरों का लाभ उठाएगा.जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया अपने व्यावसायिक संचालन में सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन लाने, विश्वस्तरीय टेक्नोलॉजी की पेशकश करने, मैनुफैक्चरिंग के परिदृश्य को मजबूत बनाने और रोजगार के महत्वपूर्ण अवसरों का निर्माण करने पर ध्यान केंद्रित करेगा.

पिज़्ज़ा हट का मैल्ट्स भारत में हुआ लॉन्च

मुंबई, 28 मार्च. भारत के सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद पिज़्ज़ा ब्रांड ने अपने बैस्टसैलर 'मैल्ट्स' को अब भारत में लॉन्च किया है, इसके साथ ही भारतीय बाजार में इस ब्रांड ने एक नई श्रेणी में कदम रख दिया है. तेज रफ्तार ज़िंदगी जीने वालों के लिए मैल्ट्स उचित पेशकश है, इसे किसी भी समय कहीं भी खाया जा सकता है. क्रिस्पी, चीज़ी और लोडेड यह नया मैल्ट्स थिन एन' क्रिस्पी क्रस्ट से बना है जो स्वादिष्ट फिलिंग और सॉस से भरपूर है, इसमें पिघला हुआ 100 प्रतिशत मॉज़रेला चीज़ शामिल है. इसे उम्दा ढंग से बेक किया गया है.मैल्ट्स दुनिया भर में सनसनी फैला चुका है.

ल्यूमिनस पावर का सोलर पैनल प्लांट शुरु

रूद्रपुर 28 मार्च,(वार्ता) स्थायित एवं सोलर समाधानों को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाते हुए प्रमुख उर्जा समाधान कंपनी ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज़ ने उत्तराखण्ड के रूद्रपुर में 120 करोड़ रुपए के निवेश से निर्मित सोलर पैनल फैक्टरी का उद्घाटन किया.

सकारात्मक बदलावों में योगदान देने के प्रयास में कंपनी का यह कदम प्रधानमंत्री द्वारा 'पीएम सूर्योदय योजना' के लॉन्च के दौरान संरेखित सोलर दृष्टिकोण एवं स्थायित्व के उद्देश्यों के अनुरूप है. सोलर पैनल निर्माण में नई प्रगति से युक्त इस युनिट की आधुनिक टेक्नोलॉजी और बुनियादी सुविधाओं को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि ये अधिकतम प्रभाविता एवं पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव को सुनिश्चित करेगी.

लॉन्च के अवसर पर ल्यूमिनस के ब्रांड एंबेसडर सचिन तेंदुलकर, ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज़ की सीईओ एवं एमडी प्रीति बजाज तथा ल्यूमिनस बोर्ड के अध्यक्ष एवं श्नाइडर इलेक्ट्रिक में अंतर्राष्ट्रीय परिचालन के उपाध्यक्ष मनीष पंत मौजूद रहे. इस अवसर पर तेंदुलकर ने कहा यह बहुत बड़ा अवसर है और मैं बहुत उत्साहित हूं.

एक्सिस ने फिक्स्ड डिपॉजिट की डिजिटल ओपनिंग की

शुरू से आखिर तक पूरी प्रक्रिया डिजिटल और पेपरलेस

मुंबई, 28 मार्च. देश में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने आज एक्सिस बैंक आईबीयू- गिफ्ट सिटी में एनआरआई ग्राहकों के लिए डिजिटल यूएस डॉलर फिक्स्ड डिपॉजिट की शुरुआत करने की घोषणा की. इस शुरूआत के साथ, एक्सिस बैंक गिफ्ट सिटी डिपॉजिट के लिए डिजिटल प्रक्रिया की पेशकश करने वाला पहला बैंक बन गया है.

एक्सिस बैंक के एनआरआई ग्राहक अब एक्सिस बैंक के मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन 'ओपन बाय एक्सिस बैंक' के माध्यम से गिफ्ट सिटी में अमेरिकी डॉलर फिक्स्ड डिपॉजिट खोल सकते हैं. इस तरह अब एनआरआई ग्राहकों के लिए अमेरिकी डॉलर फिक्स्ड डिपॉजिट बुक करने की प्रक्रिया बहुत सरल हो जाती है. उन्हें शुरू से आखिर तक डिजिटल पेपरलेस की सुविधा मिलती है और उन्हें किसी तरह का कोई डॉक्यूमेंट फिजिकल फॉर्मेट में पेश नहीं करना होगा. किसी भी समय, कहीं से भी निर्बाध रूप से एफडी खाता खोलने के अलावा, ग्राहक अपनी एफडी को डिजिटल रूप से ट्रैक और मैनेज भी कर सकते हैं.

बैंक हमेशा सरकार के विजन के साथ

अपनी गिफ्ट सिटी फ्रेंचाइजी को मजबूत करने पर बैंक के फोकस पर प्रकाश डालते हुए एक्सिस बैंक के प्रेसिडेंट और हैड- होलसेल बैंकिंग प्रोडक्ट्स विवेक गुप्ता ने कहा, ''गिफ्ट सिटी में एक अग्रणी बैंक के रूप में एक्सिस बैंक हमेशा सरकार के विजन के साथ खड़ा है. इसी सिलसिले में बैंक कॉर्पोरेट और रिटेल दोनों श्रेणी के ग्लोबल निवेशकों के लिए गिफ्ट सिटी को पसंदीदा फाइनेंशियल सर्विस डेस्टिनेशन के तौर पर विकसित करने के सरकार के विजन को सपोर्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है.